**साहित्य अकादेमी**
रवीन्द्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग
नई दिल्ली 110 001
दूरभाष : 23386626–28, 23387064, फैक्स : 23382428, ई–मेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in

**डॉ. के. श्रीनिवासराव**
*सचिव*

सा.अ./16/14/भा.स./पीएन/ 5 दिसंबर 2018

## प्रेस विज्ञप्ति

## साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान

साहित्य अकादेमी ने कालजयी और मध्यकालीन साहित्य तथा गैर मान्याताप्राप्त भाषाओं में योगदान के लिए निम्नांकित लेखकों/विद्वानों को भाषा सम्मान प्रदान करने की घोषणा की है।

भाषा सम्मान के अंतर्गत पुरस्कार विजेता को 100000/– रुपये नकद, एक उत्कीर्ण ताम्र फलक तथा प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है। यह सम्मान भविष्य में कोई तिथि निर्धारित कर एक विशेष समारोह में साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किया जाएगा।

भाषा सम्मान विजेताओं का संक्षिप्त जीवन–वृत्त तथा निर्णायक समिति के जिन सदस्यों की अनुशंसाओं पर भाषा सम्मान की घोषणा की गई है, उनका विवरण निम्नांकित है :

### कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य

**उत्तरी क्षेत्र (2017)**

**डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'** (जन्म : 7 जून 1941) हिंदी के प्रख्यात कवि एवं लेखक हैं। आपके पास अध्यापन का 35 वर्षों का अनुभव है और आप उपाधि पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, पीलीभीत (महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली) के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य हैं। आपकी 24 से ज़्यादा पुस्तकें प्रकाशित हैं, जिनमें चार बाल कविता–संग्रह भी शामिल हैं। जैन रामकथा पर आपका शोधग्रंथ *स्वयंभू एवं तुलसी के नारी पात्र : तुलनात्मक अनुशीलन* एक अनूठा ग्रंथ है। 'अरुण' जी को कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें प्रमुख हैं : पं. मदन मोहन मालवीय सम्मान, काव्य रत्न पुरस्कार, गीत रत्नाकर पुरस्कार, साहित्यश्री पुरस्कार और नाट्य रत्न पुरस्कार।

**निर्णायक समिति** : प्रो. गोपीचंद नारंग, डॉ. सुधीश पचौरी एवं प्रो. शारदा शर्मा

**दक्षिणी क्षेत्र (2017)**

**श्री जी. वेंकटसुबैय्या** (जन्म : 23 अगस्त 1913, गंजम ग्राम, श्रीरंगपाटन, जिला : मांड्या) कन्नड के प्रख्यात लेखक, व्याकरणाचार्य, संपादक, कोशकार एवं आलोचक हैं। आपने कन्नड में *क्लिष्टपद कोश* सहित 10 शब्दकोशों, कन्नड के 4 विज्ञान शब्दकोशों का प्रारंभिक कार्य, 60 से अधिक पुस्तकों का संपादन, 4 बाल साहित्य की पुस्तकों, 8 अनुवाद की पुस्तकों के साथ बड़ी संख्या में शोधालेख लिखे हैं। जी. वेंकटसुबैय्या को अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हैं, जिनमें प्रमुख हैं : कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार, राज्योत्सव पुरस्कार, शिवराम कारंत पुरस्कार, प्रेस अकादमी का विशेष पुरस्कार, आर्यभट्ट पुरस्कार, के. एम. मुंशी पुरस्कार, रानी चेन्नमा विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि, पंप पुरस्कार एवं भारत सरकार द्वारा पद्मश्री अलंकरण (2017)

**निर्णायक समिति** : डॉ. सी. राजेंद्रन, प्रो. राभा शास्त्री एवं श्री बसवराज कालिगुडी

**पूर्वी क्षेत्र (2018)**

**डॉ. गगनेंद्र नाथ दाश** (25 नवंबर 1940) ओड़िया के प्रख्यात विद्वान एवं लेखक हैं। 30 वर्ष के लंबे अध्यापकीय जीवन में विभिन्न पदों पर कार्य करने के बाद आप बरहमपुर विश्वविद्यालय के भाषाविज्ञान विभाग के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए। आपने 'ओड़िशा' शीर्षक से प्रकाशित एक वर्गीकृत एवं विस्तृत संदर्भ ग्रंथ सूची की आधार सामग्री तैयार की है। मध्यकालीन ओड़िशा में जगन्नाथ मंदिर के पुजारियों की भूमिका पर किए गए आपके कार्य को व्यापक प्रसिद्धि प्राप्त हुई। आपने ओड़िशा के भुवनेश्वर में शहरीकरण एवं सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन के नृवंशवैज्ञानिक अध्ययन के जुड़े हार्वर्ड–भुवनेश्वर प्रोजेक्ट एवं ओड़िशा रिसर्च प्रोजेक्ट 1 एवं 2 से लंबे समय तक जुड़े रहे हैं।

**निर्णायक समिति** : प्रो. सुनील कुमार दत्त, डॉ. प्रदीप्त कुमार पंडा एवं प्रो. ज्योत्स्ना चट्टोपाध्याय